प्रेस-विज्ञप्ति

स्तरहीन शिक्षकों को साथ लेकर बेहतर शिक्षा प्रदान करने का दावा करने वाले इंजीनियरिंग कालेजों पर नकेल कसने का निर्णय उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा लिया गया है। इसके लिए एक शिक्षक योग्यता परीक्षा (टी0ई0टी0) की तरह का खाका तैयार किया जा रहा है। आज दिनांक 26 अगस्त, 2015 को विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में आयोजित नवनियुक्ति डीन एवं एशोसिएट डीन की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया।

उत्तर प्रदेश प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ में विभिन्न विधाओं में नव नियुक्ति 21 डीन एवं एसोसिएट डीन की बैठक आज सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के परीक्षा ढ़ाँचे, कोर्स, पाठ्यक्रम की संरचना में अमूलचूल परिवर्तन किये जाने पर विचार हुआ। इस सम्बन्ध में यह सुझाव आया कि विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कई संस्थानों में स्तरीय शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं और इसका खामियाजा अन्ततः विद्यार्थियों को भुगतना पड़ता है। इस समस्या के निराकरण के लिए निर्णय लिया गया है कि प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों में उन्हीं शिक्षकों की नियुक्ति पर विचार हो सकेगा जिन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षक योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हो। यह परीक्षा विश्वविद्यालय करायेगा और इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को स्कोर कार्ड प्रदान किया जायेगा जिसके आधार पर ही कालेज शिक्षक भर्ती कर सकेंगे। फिलहाल यह व्यवस्था असिस्टेंट प्रोफेसर के स्तर पर ही लागू की जायेगी जिससे कि कालेजों की शैक्षिक संरचना बिगड़ने का खतरा न रहे। इस योग्यता परीक्षा का पूरा खाका तैयार करने की जिम्मेदारी एप्लाइड सांइस के डीन प्रो0 वी0के0 सिंह को सौंपी गई है।

विश्वविद्यालय में पाठ्यचर्या को अपडेट किया जाता है किन्तु यह कार्य वर्षों से एक ही ढ़र्रे पर हो रहा है जबकि नवीन तकनीकों के इस दौर में पाठ्यक्रम को आवश्यक उद्योग उपयोगी स्वरूप प्रदान करने की आवश्यकता है। आज छात्र पासआउट होने के बाद जब उद्योग जगत में कार्य प्रारम्भ करता है तो कोर्स से जुड़ी अधिकतर चीजें उसके लिए बहुत उपयोगी नहीं होती हैं। इस पर प्रदेश भर से सुझाव एकत्र कर एक विस्तृत कार्य योजना शीघ्र तैयार की जायेगी। इसी प्रकार प्रश्नपत्रों एवं परीक्षा में भी उन्नतशील परिवर्तन किये जाने की पहल की जा रही है और विशेषज्ञ शिक्षकों के सुझावों के आधार पर प्रश्नपत्रों का पैटर्न भी जल्द बदला हुआ नज़र आयेगा। छात्रों की उपस्थिति सम्बन्धी शिकायतों के निराकरण हेतु ऑन-लाइन उपस्थिति की व्यवस्था को अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

अब विश्वविद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक महोत्सव, खेलकूद महोत्सव एवं तकनीक महोत्सव के भी आयोजन किये जायेंगे। इसका वृहद खाका तैयार करने की जिम्मेदारी, डा0 कुलदीप सहाय, डीन छात्र कल्याण को दी गई है। कुलपति प्रो0 पाठक ने इन महोत्सवों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागियों/टीमों के लिए क्रमशः 50 हजार, 25 हजार, 10 हजार रुपये के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित की जा रही डिजिटल लाइब्रेरी को आधुनिक स्वरूप प्रदान करने के सम्बन्ध में वरिष्ठ शिक्षाविदों से सुझाव एकत्र किये जायेंगे। उपरोक्त सभी के सम्बन्ध में विस्तृत कार्य योजना लगभग दो सप्ताह के समय में तैयार कर लेने के निर्देश कुलपति प्रो0 विनय कुमार पाठक ने दिये हैं।

26/8/15
(आशीष मिश्र)